Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा- दसवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण

शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण - नौं एवं दस

उपविषय - चित्रवर्णन

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा दसवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य-पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं एवं दस की पृष्ठ-संख्या एक सौ तीन (103) पर दिए चित्र पर आधारित प्रस्ताव लेखन पर चर्चा करेंगे।

बच्चो ! आज का हमारा विषय चित्र पर आधारित प्रस्ताव-लेखन है। इसलिए आप सभी अपनी-अपनी व्याकरण की पुस्तक एवं उत्तर-पुस्तिका निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। विषय पर चर्चा करते-करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। उन प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आपको तीन मिनट दिए जाएँगे। प्रश्नों के उत्तर आप तभी दे पाएँगे यदि आप विषय को ध्यानपूर्वक सुनोगे एवं समझोगे। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

किसी चित्र को देखकर उसमें निहित विचारों को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना 'चित्रवर्णन' कहलाता है। चित्र पर आधारित प्रस्ताव लिखना भी एक कला है। चित्र को देखकर हम अपने भावों, विचारों और घटनाओं को व्यक्त कर सकते हैं इसलिए चित्रों का रचनात्मक

क्षेत्रों में विशेष महत्त्व है। विद्यार्थियों की अभिव्यक्ति कला के विकास के लिए इस प्रकार के अभ्यास अत्यन्त आवश्यक जो विद्यार्थी जितना अधिक कुशाग्र बुद्धि, भावुक, कल्पनाशील और चतुर होगा, वह उतनी ही कुशलता से चित्रों का अध्ययन कर सकेगा।

छात्रों को परीक्षा में एक चित्र दिया जाता है और उनसे आशा की जाती है कि वे उस चित्र का सूक्ष्म अवलोकन करके, जो भी विचार उनके मन में उठें, उन्हें कहानी, जीवनी, निबन्ध, आत्मकथा, कविता एवं एकांकी आदि के माध्यम से सरल एवं स्पष्ट शब्दों में अभिव्यक्त करें।

चित्र लेखन से पहले स्मरणीय तथ्य निम्नांकित हैं जिन पर विद्यार्थियों को ध्यान देना एवं उनका पालन करना अनिवार्य है।

चित्र को सूक्ष्मता से देखें और उसमें छिपी सभी बारीकियों का अवलोकन करें।

मन में विभिन्न प्रकार के प्रश्न एवं उत्तर बना-बना कर उस चित्र को लगभग पाँच मिनट तक अवश्य देखें।

चित्र में दिखाई देने वाले लोगों के चेहरों के भावों, पहनावे, हाव-भाव तथा क्रियाओं पर विचार करें और उनके कारणों पर ध्यान केन्द्रित करें।

पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, जीव-जन्तु, सूरज-चाँद आदि की उपस्थिति और उनका चित्र से संबंध समझने का प्रयत्न करें।

चित्र का अध्ययन करके और उसे समझकर विद्यार्थी अपनी सूझ-बूझ और कल्पना शक्ति का प्रयोग कर सकता है। परन्तु ऐसा करते समय विद्यार्थी को अत्यंत जागरूक रहना होगा। उसे ध्यान रखना होगा कि

कल्पना के कारण उसका वर्णन चित्र में दिखाई गई मूल तथा वास्तविक घटनाओं से कहीं दूर न चला जाए।

चित्र पर आधारित प्रस्ताव-लेखन करने के लिए मुख्य बिन्दु :-

* चित्र-लेखन के प्रथम अनुच्छेद में विद्यार्थी जो भी चित्र में देख रहे हैं, उसका पूर्ण एवं सूक्ष्म वर्णन क्रम से सरल भाषा में लिखें।
* उसी क्रम में अपने लेखन का विस्तार करते हुए चित्र से संबंध रखना न भूलें।
* चित्र-लेखन विद्यार्थी या तो वातावरण के आधार पर करें या व्यक्ति विशेष के आधार पर। परन्तु याद रहे कि आपके लेखन का सीधा सम्बन्ध चित्र से हो।
* चित्र-लेखन का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है — चित्र की घटनाओं का रोचक एवं सजीव वर्णन जो सरल, सहज एवं प्रभावोत्पादक भाषा-शैली में होना चाहिए।
* चित्र पर आधारित प्रस्ताव लिखते समय यह ध्यान रहे कि वाक्य छोटे-छोटे हों और प्रत्येक नवीन विचार नए अनुच्छेद से प्रारंभ होना चाहिए।
* चित्र-लेखन करते समय विद्यार्थी को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसे केवल चित्र को देखने मात्र से उठते हुए भावों को ही लिपि-बद्ध करने के लिए कहा गया है न कि लंबी-चौड़ी कहानी लिखने के लिए। भावों की सूक्ष्मता, दृष्टि की गहराई तथा वस्तु-स्थिति को सीधे रूप में ग्रहण करने की शक्ति ही इस प्रश्न के उत्तर में अधिक अंक प्राप्त करने में सहायक होगी।

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूंगी। प्रश्न चित्र-लेखन से संबंधित होंगे। प्रश्न सुनकर आप

CamScanner

अपनी ऑडियो को तीन मिनट के लिए रोक देंगे तथा उन तीन मिनट में ही आपको पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. चित्र लेखन से आप क्या समझते हैं ?

प्रश्न 2. चित्रों का रचनात्मक क्षेत्रों में विशेष महत्त्व है। कैसे ?

प्रश्न 3. किस प्रकार का विद्यार्थी चित्रों का अध्ययन कुशलता से कर सकेगा ?

प्रश्न 4. चित्र-लेखन का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग कौन-सा है ?

बच्चो ! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दी गई तीन मिनट की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा करती हूँ कि आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ, जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. किसी चित्र को देखकर उसमें निहित विचारों को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना चित्र-लेखन कहलाता है।

उत्तर 2. चित्र को देखकर हम अपने भावों, विचारों और घटनाओं को व्यक्त कर सकते हैं, इसलिए चित्रों का रचनात्मक क्षेत्रों में विशेष महत्त्व है।

उत्तर 3. जो विद्यार्थी जितना अधिक कुशाग्रबुद्धि, भावुक, कल्पनाशील और चतुर होगा वह उतनी ही कुशलता से चित्रों का अध्ययन कर सकेगा।

उत्तर 4. चित्र-लेखन का सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है — चित्र की घटनाओं का रोचक एवं सजीव वर्णन

CamScanner

जो सरल, सहज एवं प्रभावोत्पादक भाषा शैली में होना चाहिए ।

बच्चो! आशा करती हूँ कि अब आपको चित्र-लेखन संबंधित जानकारी प्राप्त हो गई होगी। इसकी सहायता से आप सार्थक चित्रलेखन लिखने में सक्षम होंगे। अब मैं आपको गृहकार्य के रूप में चित्र वर्णन करने के लिए दे रही हूँ। इस कार्य को आप अपनी-अपनी व्याकरण की उत्तर-पुस्तिका में करेंगे।

गृहकार्य

नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

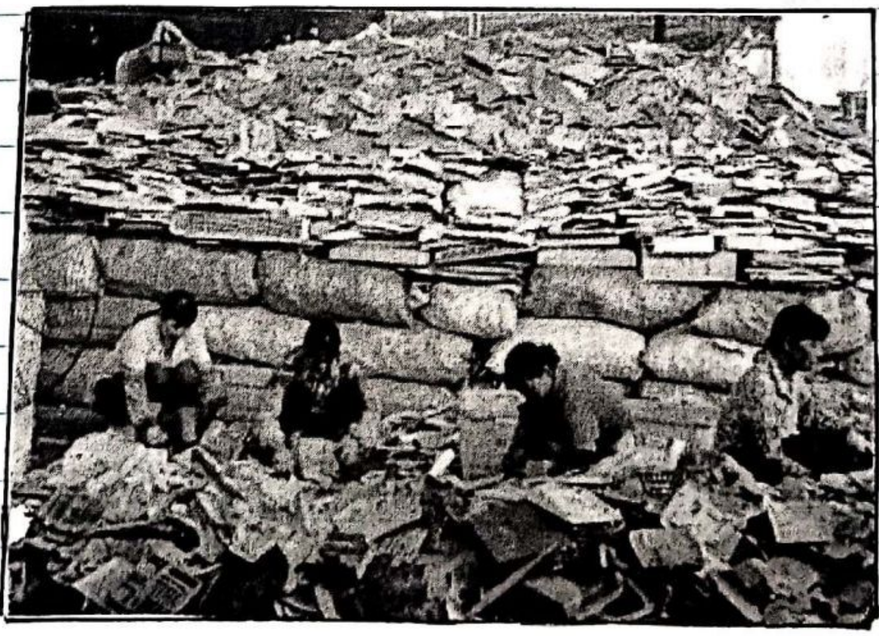

धन्यवाद !

[अंतिम पृष्ठ]

CamScanner